Equip & Grow
बच्चें महत्वपूर्ण है

चर्चा के लिए प्रश्न

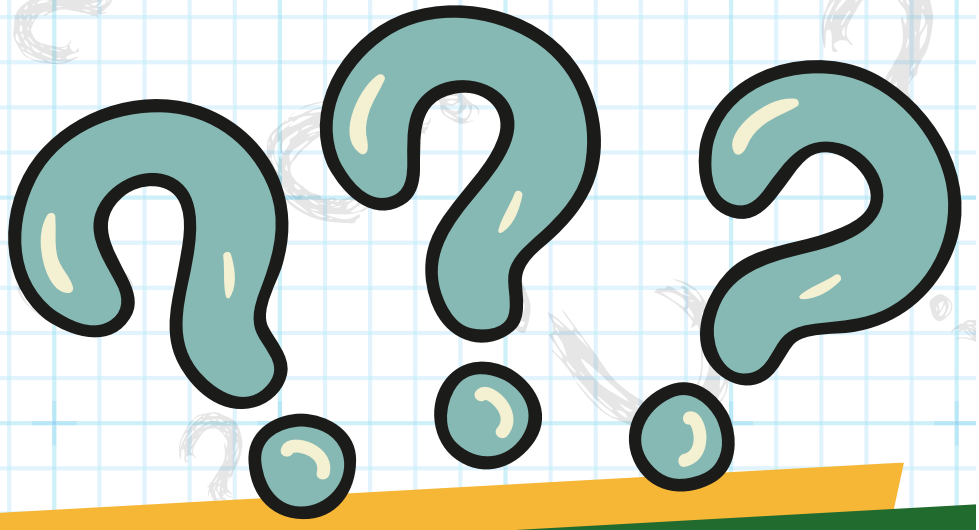

CBI: उन्नत स्तरीय विश्लेषण पुस्तिका

उन्नत स्तरीय विद्यार्थी पुस्तकों के साथ प्रयोग के लिए

पाठ 1

1 अगर आप जानते कि आपके साथ भविष्य में क्या होने वाला है तो यह उस बात को किस प्रकार से बदल देता जो आप करते हो?

कुछ समय निकाल कर एक लॉटरी टिकट खरीदने के विषय में, या स्टाइलिश कपड़ों को खरीदने या हादसों से बचने के विषय में चर्चा करें। फिर इस विचार से परिचित करें कि परमेश्वर किस प्रकार अप्रत्याशित रूप में कार्य करता है और अतीत में परमेश्वर ने जो काम किए उसे देखते हुए हम किस प्रकार जान सकते हैं कि आगे परमेश्वर क्या करना चाहता है। विश्वास का एक भाग यह है कि इस बात को जानना कि परमेश्वर अगला क्या करने जा रहे हैं और हमें उस बात में उसके साथ भागीदारी करना। " यहोवा जिसने मुझे सिंह और भालू दोनों के पंजे से बचाया है, वह मुझे उस पलिश्ती के हाथ से भी बचाएगा।"- 1 शमूएल 17:37

2 दाऊद ने गोलियत को मारने से पहले उसका मजाक उड़ाया, दाऊद के लिए गोलियत का मजाक उड़ाना क्यों सही था? दूसरे किसी का मजाक उड़ाना आपके लिए कब सही बनता है?

यह एक तरकीब से भरा प्रश्न है, दाऊद का गोलियत का मजाक उड़ाना किसी भी तरह से स्वीकार योग्य नहीं है, लेकिन, यह इस कहानी का एक भाग है। यह उसके विश्वास को प्रदर्शित करता है।

3 दाऊद को उस दानव को मारने का अवसर तब मिला जब वह अपने भाइयों की सेवा कर रहा था? किस प्रकार अगुवाई और सेवकाई एक दूसरे से जुड़े हुए हैं?

हालांकि अगुवाई और सेवकाई एक दूसरे से बिल्कुल अलग हैं; लेकिन एक दास नेतृत्व भी होता है जो अगवाई और सेवकाई को बिल्कुल एक समान बना देता है। जब आप सेवा करते हैं, तब आप अवसरों को देख सकते हैं:; और जब आप उन अवसरों का लाभ उठाकर कार्य करते हो, तो यह एक प्रकार का नेतृत्व होता है।

पाठ 2

1 चेले इसलिए छिप कर बैठे थे क्योंकि उन्होंने मसीह की मृत्यु का गलत मतलब निकाला था। आपको कैसा लगता है जब दूसरे लोग परमेश्वर के वचन का गलत मतलब निकालते हैं? आप कैसे जानते हो कि आपने बाइबल को सही रूप में समझा है कि नहीं?

अपने शिक्षकों या अधिकारी से मदद मांगे ताकि आप बाइबल को सही तरह से समझ सके। इस बात को सुनिश्चित करें कि बाइबल के इस पद्यांश के विषय में मेरी समझ बाइबल के अन्य पद्यांश के स्पष्ट अर्थ के साथ मेल खाता है कि नहीं।

2 उन रखवालों पर यह दबाव डाला गया था कि वे लोगों को यह ना बताएं जो परमेश्वर ने वहां पर किया था। आप इस तरह के कौन से दबाव का सामना करते हैं जब आप दूसरों को परमेश्वर के विषय में बताने के बारे में सोचते हो?

बच्चों को उन सभी दबावों के विषय में चर्चा करने दो जो उनके दोस्त उन पर अधिक अच्छे या अधिक धार्मिक ना बनने के लिए डालते हैं, इसे तब तक जारी रखें जब तक कि बच्चे इसमें रुचि लेते रहे और जब तक कि वह सामान्य उत्तरों को बार-बार देने लगे। आंतरिक दबाव के विषय में चर्चा करें जब हम स्वार्थी होने के लिए महसूस करते हैं और अपने आप को खुश करने की इच्छा रखते हैं। बेकार गतिविधियों को चुनना काफी आसान होता है जो अच्छे या स्वस्थ दिख सकते हैं लेकिन बाद में वे खतरनाक बन जाते हैं। पारिवारिक दबाव को कभी अनदेखा ना करें। रिश्तेदार आपसे कहेंगे कि यीशु के बारे में बातें ना करें और शायद वे आप पर उनके धार्मिक समारोहों में भाग लेने का भी दबाव डालेंगे। इन तमाम दबावों के बीच एक संतुलन होता है, हमारे आसपास के लोगों से प्रेम करने के लिए हमें कहीं बाहर अपने आप का इंकार करने और दूसरों को आदर देने की जरूरत हो सकती है, लेकिन उसी समय परमेश्वर उसके प्रति वफादार रहने के लिए भी हमसे कहता है।

3 परमेश्वर ने उन स्त्रियों को चुना कि वे जाकर शिष्यों को एक संदेश पहुंचाए। क्या होता अगर उन शिष्यों ने उन स्त्रियों की बात नहीं सुनी होती? हम किस तरह से यकीन कर सकते हैं कि हम परमेश्वर के उस संदेश से वंचित नहीं रहेंगे जो वह अन्य लोगों को देता है?

बच्चों को कलीसिया में स्त्रियों के विषय में एक विवादास्पद चर्चा का इस्तेमाल करते हुए अपनी बात करने दें। कुछ समय के लिए अपने आप को कलीसिया में एक स्त्री के स्थान पर रखते हुए बात करने दें और उसके बाद इफिसियों 4 और पहला 1 कुरिन्थियों 12 और उन्हें वहां ले जाए जहां परमेश्वर ने स्पष्ट रुप से कहा है कि उसने विभिन्न लोगों को विभिन्न वरदान दिए हैं और अगर हम किसी की बात को सुनना रोक देते हैं तो शायद हम उस अवसर को खो सकते हैं जब परमेश्वर उनके द्वारा हमें कोई संदेश देना चाहता था।

पाठ 3

1 लूका 11:30 हमारा आह्वान करता है कि हम योना को यीशु के साथ तुलना करें, आप योना की कहानी और यीशु के बीच कितनी समानताओं को खोज सकते हो?

यह अभ्यास तब सबसे अच्छी तरह काम करता है अगर विद्यार्थी अपने स्वयं के विचार लेकर सामने आए| उन्हें योना की किताब में से पढ़ने के लिए उत्साहित किया जाए और उन सभी उत्तरों को स्वीकार किया जाए जिस में थोड़ा सा भी जुड़ाव शामिल हो। नीचे दी गई सूची में इस प्रकार के स्वीकारयोग्य समानताएं दी गई है:

- 3 दिन और रात कब्र में/ मछली
- परमेश्वर के वचन को लाना
- लंबी पैदल यात्रा/यात्रा
- तूफान के समय भी एक नाव के निचले भाग में सोना
- आंधी को शांत करना
- मन फिराव का प्रचार करना
- वास्तविकहत्यारों द्वारा एक निर्दोष व्यक्ति की मृत्यु के प्रति अपने हाथों को धोना
- परमेश्वर की नजर से दूर किया जाना
- सूखती हुई दाख लता/ शहर के बाहर एक पेड़

2 निर्देशों को अनदेखा करना और उन्हें ना मानने के बीच क्या अंतर होता है?

एक तरफ, वह एक समान दिखते हैं क्योंकि उन दोनों का एक ही नतीजा होता है। किसी भी तरह से देख लें, मैंने उस कार्य को नहीं किया है जो मुझसे कहा गया था। लेकिन बाइबल में यह साफ दिखाई देता है कि परमेश्वर हमारे हृदय और मकसद को जानता और उन पर ध्यान देता है। लेकिन, कई बार हम अपने व्यवहार के लिए बहाने बनाते हैं, यह कहते हुए कि हमें हमारे कर्म के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जाना चाहिए क्योंकि यही वह बात थी जो हम करना चाहते थे। इस विषय पर अधिक चर्चा करने के लिए अपने विद्यार्थियों को उत्साहित करें।

3 वह कौन सी बुरी बातें हैं जिन्हें माफ नहीं किया जा सकता?

अपने विद्यार्थियों के साथ उन तमाम बुरी बातों के विषय में चर्चा करें जैसे कि हत्या, छेड़खानी, दूसरों से झगड़ा करते रहना और अन्य ऐसे पाप जहां यह स्वभाविक लगा कि वह व्यक्ति अपने आप को सुधारने की कोशिश भी नहीं कर रहा था। उन लोगों के बारे में क्या जो छोटे बच्चों को नशीली दवाएं बेचते हैं? (योना नहीं चाहता था कि परमेश्वर नीनवे के लोगों को माफ करें, लेकिन परमेश्वर सब को माफ करने के लिए अति करुणामय है)

पाठ 4

1 आप अपने स्कूल में आए एक नए विद्यार्थी के लिए एक पड़ोसी किस तरह से हो सकते हैं? या किसी भिखारी के लिए? अपने छोटे भाई/ बहन के प्रति जो काफी परेशान करता/ करती है?
विद्यार्थियों को दूसरों की मदद करने के तरीकों के विषय में बातें करने दे, भले ही वे ऐसा ना करना चाहते हो, या वे कौन से खतरे हैं जिन्हें उनको सामना करना पड़ सकता है अगर वे किसी नए बच्चे को सार्वजनिक स्थान पर मदद करते हुए पकड़े जाते हैं। इस विषय पर बातें करें कि अपने छोटे भाई बहन की मदद करना कितना मुश्किल होता है।

2 एक उदाहरण दीजिए कि कैसे एक प्रसिद्ध व्यक्ति ने अपने आप को सही ठहराने की कोशिश की। वे उन परिस्थितियों में किस प्रकार से प्रतिक्रिया करते अगर वे परमेश्वर और पड़ोसी को प्रेम करने की कोशिश करते?
राजनेता, संगीतकार, धावक और अभिनेता अक्सर उनके बुरे व्यवहार के लिए खबरों में रहते हैं। उनमें से किसी एक को चुनो जिनसे बच्चे अच्छी तरह परिचित हो, और इस विषय पर बात करें कि उन्होंने क्या किया था। अगर बच्चे दोनों पहलुओं पर बात करने में व्यस्त हो, तो उस चर्चा को उस दिशा की ओर मोड लो कि परमेश्वर के प्रेम को दिखाने के लिए उनके स्थान पर वह क्या करते हैं, लेकिन केवल पहले प्राप्त किसी अच्छे उत्तर को स्वीकार ना करें बल्कि बच्चों को उस चर्चा में व्यस्त रखें।

3 एक हाल ही में घटी किसी घटना का उल्लेख करो जिसमें कोई एक व्यक्ति किसी नियम या कानून का बारीकी से अनुसरण करना चाह रहा था जबकि अंत में वह अधिक मौलिक नियमों को तोड़ते हुए पाया गया हो।
आप स्कूल के नियमों के विषय में, पुलिस द्वारा लगाए गए कानून व्यवस्था, कलीसिया द्वारा दिए गए नियम और ऐसे अन्य कई स्थानों के बारे में चर्चा कर सकते हैं जहां ऐसे कई नियम होते हैं जिनका कोई अर्थ या मतलब नहीं होता। उदाहरण के रूप में: स्कूल की कक्षाओं में भागने के कारण होने वाली परेशानी, जब आप ऐसा कर रहे थे तब आप यह चाहते थे कि आप कक्षा में बिना देरी के पहुंच सके। या अपने मित्रों से बातें करते हुए किसी मुसीबत में पड़ना, जब कि आप केवल लिखने के लिए एक पेंसिल मांग रहे थे, या कक्षा में समय पर पहुंचने के लिए जब आप बाड़ा लांग कर कूद रहे थे तब आपके कपड़े फट गया, लेकिन उस शर्ट के लिए घर पहुंचने पर आप मुसीबत में पड़ जाते हैं।

पाठ 5

1 परमेश्वर ने आपको जो गुण या प्रतिभाएं दी है उनके द्वारा आप परमेश्वर की सेवा करने के लिए क्या कर सकते हो?
उन्हें अपने बाहरी विशेषताओं के विषय में बात करने दें जिन्हें वे बदलना चाहते हैं जैसे कि नाक, दाढ़ी, आंख, मुंह आदि। उन्हें एक दूसरे के शारीरिक बनावट के विषय में एक दूसरे का मजाक उड़ाने ना दें। कुछ समय के पश्चात इस वार्तालाप को क्रियात्मकता या बौद्धिकता, या आंतरिक शक्ति और परिवार में होने वाले बीमारी की ओर मोड दे। यह सभी चीजें परमेश्वर के प्रारूप से जुड़े हुए हैं। हमें उन सभी बातों को स्वीकार करना चाहिए जो परमेश्वर हमें देते हैं, जबकि हम उसे पसंद ना करते हो। परमेश्वर ने अपनी योजना को पूरा करने के लिए, हो सकता है कि आपको अलग रंग की चमड़ी या बात करने का अंदाज दिया हो।

2 वह कौन सा सबसे मुश्किल निर्देश था जिसे मानना आपके लिए सबसे कठिन लगा हो?
हर विद्यार्थी को एक अवसर दें कि वह अपने व्यक्तिगत सफलता के विषय में कुछ कह सके ताकि वह इस बात को समझ जाएं कि हर कोई किसी ना किसी तरह से आज्ञा को मान रहे थे। घमंड करने या गप्पेबाजी को उत्साहित ना करें। कुछ उदाहरण: अंधेरे में किसी दुकान में जाना, किसी उदंड करने वाले विद्यार्थी के घर के सामने से होकर स्कूल जाना, या अपने किसी गृह कार्य को वापस करना जो सही तरह से नहीं किया गया था।

3 आपके परिवार के सदस्य जैसे अंकल या आंटी, आप की देखभाल के लिए कौन से तरीके दिखाते हैं या रुचि रखते हैं?
विद्यार्थियों को उनके दादा दादी, अंकल आंटी और चचेरे भाई बहनों के विषय में बात करने के लिए उत्साहित करें। परिवार के सदस्यों के विषय में नकारात्मक कहानियां बोलने से उन्हें निरूत्साहित करें। सबके जवाब अलग अलग हो सकते हैं लेकिन उन सबको ऐसे ग्रहण करो जैसे सबको लगे कि उन्होंने कमाल का जवाब दिया है और वे आगे भी जवाब देने में उत्साहित रहें।

पाठ 6

1 इन दिनों में हम अधिक चंगाईयों को क्यों नहीं देख पाते?
विद्यार्थियों से चंगाई के विषय में चर्चा करने को कहें: जो परमेश्वर ने आपकी कलीसिया या शहर में की हो| इस बात पर भी चर्चा करें कि आपका समुदाय चंगाई के बारे में क्या विश्वास करता है: इस बारे में बातें करें कि वे कौन से कारण है जिसकी वजह से इन दिनों में चंगाईयां कम हो रही है: जैसे कि लोगों में विश्वास की कमी, चंगाई के वरदान पाए हुए बहुत कम शिष्य या पासवान, आपके क्षेत्र में अधिक विरोध या उपद्रव, कम लोग ही चंगाई के लिए सामने आते हैं,या फिर जागृति की कमी, आदि।

2 वे कौन से कारण होते हैं जिनकी वजह से मैं उस चंगाई को प्राप्त नहीं कर पाता जो मुझे चाहिए?
विश्वास की कमी, या आपके लिए परमेश्वर की एक अन्य योजना और वह आपके भविष्य को देख सकता है, या फिर आपका उद्देश्य ठीक ना होना। ऐसा भी हो सकता है कि आपकी चंगाई आपके लिए सबसे उत्तम बात ना हो, या फिर आपके जीवन में कोई पाप हो, या अभी वह सही समय ना हो या फिर उस बीमारी के द्वारा परमेश्वर को महिमा मिलना।

3 क्या वे 10 कोढ़ी अपनी चंगाई को प्राप्त करने के योग्य थे?
योग्यता आज हर जगह एक आम बात हो चुकी है, जहां पर लोग सोचते हैं कि उन्होंने कुछ एहसान किया है जो चुकाया जाना चाहिए और इसलिए वे धन्यवाद नहीं देते या आभार नहीं मानते। हमारे पास क्या योग्यता है? एक शिक्षक होने के नाते आपका लक्ष्य यह है कि आप विद्यार्थियों को इस बात को समझने में मदद करें कि वे वास्तव में किसी बात के लिए भी योग्य नहीं है। हम जो कुछ भी हैं या हमारे पास जो कुछ भी हैं, उन सब के लिए हमें परमेश्वर के प्रति आभारी बने रहना चाहिए क्योंकि ये ही वे चीजें हैं जो परमेश्वर ने हमें इस दुनिया में कार्य करने के लिए दिया है।

पाठ 7

1. आप क्लोनिंग के बारे में क्या सोचते हैं? क्या हम विज्ञान के द्वारा मनुष्य को बना सकते हैं?

अपने विद्यार्थियों को परमेश्वर के सृष्टि के कार्य की बात में ले जाएँ और कैसे उन्होंने शून्य से मनुष्य को बनाया, और यह तथ्य कि हमें कुछ बनाने के लिए परमेश्वर के विज्ञान का उपयोग करना होगा। किसी को समान डीएनए के साथ बनाने के सार के बारे में बात करें और कितने देश क्लोनिंग की अनुमति देते हैं या अनुमति नहीं देते हैं।

2. क्यों मुझे सप्ताह में एक दिन विश्राम करना है यदि अब हम पुराने नियम के कानून के अंतर्गत नहीं हैं?

इस प्रश्न का जवाब देने से पहले अपने पासवान के साथ इसका उत्तर जांचे कि आपका संप्रदाय सब्त को कब मनाते हैं, और आप इसे कैसे करते हैं। अपने विद्यार्थियों के साथ बात करें, उनके साथ बाँटें कि आपका सम्प्रदाय सब्त के दिन विश्राम को लागू नहीं करता, हमारा शरीर शीघ्र थक जाएगा यदि उसे जो आराम आवश्यक है, न मिले। अनुग्रह के अंतर्गत भी, हमें विश्राम की हर सप्ताह आवश्यकता है, परमेश्वर जानते हैं कि हमें क्या जरूरत है।

3. रीसाइक्लिंग, ग्लोबल वार्मिंग और जानवरों के विलुप्त होने से बचाने के बारे में क्या सोचते हैं? क्या मसीही इसमें शामिल होने चाहिए?

इस चर्चा का एक पहलू है कि परमेश्वर ने हमें सृष्टि पर प्रभुत्व दिया है, और हमें इसकी देखभाल करनी चाहिए। व्यवहारिक रूप से बोले तो, इसका मतलब हमें प्रदूषकों के प्रति सावधान और पशुओं की देखभाल करनी चाहिए। चर्चा का दूसरा पहलू यह है कि लोग युद्धों, दुर्व्यवहारों में मर रहे हैं और मनुष्य के विरोध में बहुत बुराई होती है, तो स्रोतों का उपयोग पशुओं की प्रजातियों को बचाने के लिए क्यों करें जब हमें लोगों को बचाना चाहिए। इस चर्चा का कोई उत्तर नहीं है, इसलिए, एक शिक्षक के रूप में आपका लक्ष्य यह होना चाहिए कि विद्यार्थी अपने आप इसके बारे में सोचें।

पाठ 8

1. चंगाई में विश्वास का क्या योगदान है?

विश्वास कुछ भरोसा करना है जबकि आप कुछ देख नहीं सकते। ये उदाहरण हमें चंगाई में विश्वास के योगदान को दिखाते हैं: एक महिला चंगी हुई जब उसने सोचा कि यदि वह केवल यीशु को छू लेती है, तो वह हो सकेगी। यीशु ने उससे कहा, "तुम्हारे विश्वास ने तुम्हें चंगा किया"। मरकुस के 2 अध्याय में एक मनुष्य के मित्र उसे इमारत की छत से नीचे लटकाते हैं, और बाइबल कहती है कि यीशु ने मित्र के विश्वास को देख कर उसे चंगा किया। लूका 7 में दरोगा के विश्वास को यह विश्वास करने के लिए पूरे देश में सर्वश्रेष्ठ विश्वास बताया गया कि यीशु उसको भी चंगा कर सकता है जो कुछ दूरी पर है। और मत्ती 15 में एक महिला ने यीशु के मन को विश्वास के प्रदर्शन के द्वारा बदला, और चंगाई को प्राप्त किया जिसे वह चाह रही थी। इसलिए विश्वास स्पष्ट रूप से चंगाई के लिए महत्वपूर्ण है, इसलिए यदि आपको वह चंगाई नहीं मिल रही है जो आप चाहते हैं, यह आपके विश्वास की कमी हो सकती है। यह कई बार हमारे लिए स्पष्ट नहीं हो सकता कि हम क्यों चंगाई प्राप्त नहीं करते, लेकिन हम जान सकते हैं कि विश्वास महत्वपूर्ण है।

2. यदि आपके विश्वास के स्तर के लिए आपको स्कूल ग्रेड दिया जाये तो आपका ग्रेड क्या होगा?

बात करें कि विभिन्न ग्रेड का क्या मतलब है: उत्तीर्ण होना या पराजित होना क्या है? (अपने देश के ग्रेड सिस्टम को ग्रेडिंग के लिए उपयोग करें। कुछ को 10 अंक प्राप्त होते हैं एक बड़े स्कोर के रूप में, और कुछ को ए)। यह कैसा लगेगा अगर मुश्किल से विश्वास में पास होते हैं, यह कैसा होगा जब विश्वास में किसी को 10 अंक एक बड़े स्कोर के रूप में प्राप्त होते हैं, और कुछ को ए? उदाहरण : हार मानना एक असफलता होगी, जबकि बने रहना और मानना पास होना। यदि आप मानते हैं और बहुत शिकायत करते हैं, तो आपकी शिकायत के कारण आपको बी/8 अंक प्राप्त हो सकेंगे।

3. गैर - मसीहियों का विश्वास कैसा होता है?

विश्वास कुछ भरोसा रखना है जो आप देख नहीं सकते, और इसलिए गैर-मसीहियों के पास भी विश्वास होता है। जब हम एक कुर्सी पर बैठते हैं, तो हमें विश्वास है कि यह हमारे नीचे नहीं टूटेगी। विकास प्रक्रिया पर भरोसा रखने के लिए विश्वास चाहिए, या एक राजनीतिज्ञ को चुनाव जीतने के लिए भी विश्वास की जरुरत होती हैं। लोगों का देवी-देवताओं में विश्वास होता हैं जो कि वास्तविक नहीं होते, और मनुष्य में विश्वास उन्हें कभी कभी विफल कर देते हैं। विश्वास संसार में हर जगह है, और हर कोई इसे किसी में रखता है।

पाठ 9

1. जब लोग एक-दूसरे का न्याय करते हैं, तो यह कैसा लगता है?
कभी-कभी न्याय करना ऐसा दिखता है; फुसफुसाना, संकोच के साथ हँसना, किसी से दूर चलना, या किसी से बात करने से इनकार करना, आदि। शिक्षक के रूप में आपका लक्ष्य यह है कि इसके बारे में बात करें कि कैसे दूसरे लोग पौलुस का न्याय करना चाहते थे क्योंकि उसने हाल ही में कई मसीहियों की हत्या की थी और कैसे परमेश्वर कभी ऐसों को चुन लेता है जिनकी हम सबसे कम उनके काम करने की उम्मीद रखते हैं।

2. मसीही के रूप में, हमारे शत्रु नहीं होने चाहिए, इसलिए मेरा शत्रु कौन है जिससे मुझे प्यार करना है?
अपने विद्यार्थियों के साथ इस वास्तविकता पर चर्चा करने की कोशिश करें कि मसीही भी गैर-मसीहियों के समान बहस करते है, और कभी-कभी हम बहुत बदतर हो जाते हैं। अपने आप से झूठ नहीं बोलते हुए, हम सभी को यह स्वीकार करना होगा कि हमारे कई दुश्मन हैं। वे लोग हैं जो हमारे साथ नहीं मिल रहे हैं, जिन लोगों ने हमें चोट पहुंचाई है, या जिन लोगों ने हमारे पास से कुछ या किसी को दूर किया है। यह वे लोग हैं जिनके लिए हमें प्यार दिखाने की जरूरत है।

3. अगर परमेश्वर आपसे बात करने की कोशिश कर रहे थे और आप सुन नहीं रहे थे, तो आपका ध्यान पाने के लिए उसे क्या करना होगा?
कभी-कभी परमेश्वर हमारा ध्यान पाने के लिए कठोर चीजें करता है जैसे प्रेमी को खोना, आपको एक अलग शहर या राज्य में ले जाना, एक परीक्षा में बुरे ग्रेड प्राप्त करना, मित्र को दूसरे वर्ग में ले जाना, आदि। परमेश्वर हमारे ध्यान को पाने के लिए कुछ भी उपयोग कर सकते हैं क्योंकि वह हमारे शारीरिक कल्याण से ज्यादा हमारे आध्यात्मिक कल्याण के बारे में अधिक परवाह करता है।

पाठ 10

1. आप कैसे बता सकते हैं कि क्या यह परमेश्वर आपसे बात कर रहा है या आपके पेट में कुछ है जो आपने दोपहर के भोजन में किया था?
सभी मसीहियों को यह सीखने की जरूरत है कि कैसे परमेश्वर से सुनें। पहले आप यह पुष्टि करें कि आप बाइबल से क्या सुनते हैं, यह सुनिश्चित कर ले कि ऐसा ना हो जो मेल ना खाता हो, कुछ ऐसी बात जो परमेश्वर ने किया है या शास्त्र में कहा गया है। दूसरा, आप जा कर अपने अधिकारियों, माता पिता, पास्टर, या शिक्षक के माध्यम से पुष्टि कर सकते हैं और तीसरा, आप अपनी अंतरात्मा में जांचे, कि क्या आप सही महसूस कर रहे हैं।

2. क्या भूत वास्तव में होते हैं?
वहां कोई भूत नहीं था जिसने शमूएल से बात की, परन्तु स्वयं परमेश्वर ने बात की थी, किन्तु यह कहानी भूतों के बारे में विचार को सामने लाती है। बाइबल यह स्पष्ट करती है कि पृथ्वी पर स्वर्गदूत और शैतान का अस्तित्व अभी भी है, अध्यात्मिक प्राणियों को जिन्हें हम नहीं देख सकते। शास्त्र में यह कहीं नहीं लिखा है कि मृत लोग का घरों के चारो ओर मौजूदगी हो या आस पास भूतों के स्थान मौजूद हो। इसलिए अधिकतर समय लोग सोचते है कि भूत वास्तव में हैं, यह या तो केवल उनकी कल्पना है या फिर दुष्टात्मा है। शैतान को झुठलाने के लिए हमारे पास ईश्वर का अधिकार है और भयभीत करने वाले विचारों को हमें कैद कर लेना चाहिए। जबकि हम मसीही हैं तो हमें भूतों से डरने की आवश्यकता नहीं हैं। हमें चाहे तो अपने मन से कह सकते हैं, कि हमारे दिमाग से खेलना बंद करे, या हम शैतान को झुठलाएं और कहें कि हमारे चारो ओर से खेलना बंद करे क्योंकि हमारे जीवन में उनका स्वागत नहीं है।

3. मुझे किसकी बात सुननी चाहिए?
किसी की सलाह का पालन तब तक ना करें, जब तक कि आप उनके जैसे नहीं बनना चाहते हैं या वह हासिल करना चाहते है जो उन्होंने हासिल किया। क्या आप सही कार्य करना चाहते हैं? तो किसी भी व्यक्ति की सलाह का पालन तब तक ना करें जब तक आप जानते है कि उनकी कही गई सलाह बाइबल में कहीं बातों से मेल नहीं रखती। उनकी सुनो जो आप से अद्यात्मिक में आगे हों और आप उनके समान बनना चाहते हैं।

पाठ 11

1.आप किस तरह कह सकते हैं कि आपका जीवन खराब बीता? आप क्या सोचते हैं कि परमेश्वर उसे कैसे ठीक करेगा?
जो आपके विद्यार्थी बताएं, उसे ग्रहण करें, कोई भी उत्तर गलत नहीं है। प्रत्येक के पास बुराई की कहानी होगी। अपने विद्यार्थी के बीच संतुलन बनाए रखते हुए दोनों के बीच चर्चा कायम रखें। मत्ती 19:29 दिखाता है कि कैसे परमेश्वर उन लोगों को समर्थन देंगे जिन्होंने इस पृथ्वी पर उसके लिए बलिदान दिया था। मत्ती 20 विपरीत हिस्से को दर्शाता है जहाँ कुछ काम करनेवालों में से दिन के अलग-अलग घण्टों में काम करने की एक सी मजदूरी प्राप्त की। इस दृष्टान्त से हमें यह सीख मिली कि जीवन सरल नहीं है और हो भी नहीं सकता। अपने विद्यार्थियों से दोनों पदों पर बात करते रहने को कहें।

2. क्या होता यदि मैं सचमुच बहुत प्रार्थना करता?
परमेश्वर एक वेंडिंग मशीन नहीं है। वह कभी हमसे कहेगा "नहीं" या "अभी नहीं।" परमेश्वर हमारे लिए सदा सबसे अच्छा है, भले ही अभी कुछ कठिन हो, परमेश्वर चाहता है कि हम प्रार्थना करें, और कभी जब हम प्रार्थना करते हैं, तब वह अपना मन बदल देता है, परन्तु हमें सदा वह अक्षर नहीं मिलेगा जो हम चाहते हैं।

3. प्रभु यीशु से आपकी क्या अपेक्षाएं है?
बहुधा मसीही बिना परेशानी का जीवन चाहते है, कि यीशु मसीह उनके लिए जीवन को आसान बना दे और ये हर समय स्वस्थ बने रहें, माफ कीजिए, यीशु ने कहा, मसीहियों के लिए जीवन कठिन होगा, सहज नहीं, शैतान वर्तमान मे खुला घूम रहा है, पृथ्वी पर हमें नाश करने को प्रयासरत है। हमारी अपेक्षा यह होती है कि यीशु कठिन समयों में हमारी सहायता करें, और हमें सही निर्णय लेने में हमारी सहायता करे, पर यह नहीं कि वे कठिन समयों को ही रखता है।

पाठ 12

1. क्यों हर कोई स्वर्ग नहीं जायेगा?
बाइबल कहती है कि सबने पाप किया है और वे नरक के भागी हैं। परमेश्वर यांत्रिक मानव नहीं चाहता, और उसने हमें स्वतंत्र इच्छा के साथ बनाया है। परमेश्वर चाहता है कि हर एक बचाया जाए परन्तु कुछ मनुष्यों ने अपनी इच्छा से चलने की राह चुनी और यीशु और स्वर्ग को स्वीकार नहीं किया।

2. क्यों हमारे आसपास पर्याप्त नहीं है (आपस में बांटने के लिए)?
सर्वप्रथम, "पर्याप्त" एक चलायमान लक्ष्य है, और वह हर देश और हर वर्ष बदलता रहता है। दूसरा, यीशु ने कहा कि गरीब हमेशा हमारे साथ रहेंगे। और तीसरा, यह कि देना हमारे लिए अच्छा है।

3. एक' सफेद झूठ 'या एक छोटा पाप का परिणाम क्या होता है?
उद्देश्य महत्वपूर्ण हैः क्या आप किसी की भावनाओं को ठेस न पहुंचाने या स्वयं के लिए धन बचाने के लिए झूठ बोल रहे हैं? परमेश्वर छल को पसंद नहीं करता। उनके लिए यह अच्छा होता कि वे जमीन नहीं बेचते और उसमें का कुछ भाग देकर पैसे के विषय में झूठ न बोलते।

पाठ 13

1 क्या मुझे परमेश्वर के बारे में दूसरों को बताना चाहिए?
मसीहीयो को हमेशा परमेश्वर के बारे में दूसरों को बताने के लिए तैयार रहने की जरूरत है। 1 पतरस 3:15 कहता है,"जो कोई तुम से तुम्हारी आशा के विषय में कुछ पूछे, उसे उत्तर देने के लिए सर्वदा तैयार रहो... ।" मत्ती 28: 19-20 हमसे पृथ्वी केछोर तक जाने और मसीह के बारे में बताने की आज्ञा देता है। यह हमें अपने आप अकेले नहीं करना है, परमेश्वर इसमें हमारी सहायता करेंगे। प्रेरितों 1:8 कहता है कि पवित्र आत्मा हमें उसके गवाह बनने की सामर्थ्य प्रदान करेगा। कुछ लोग दूसरों को सुसमाचार सुनाते हैं क्योंकि यह उनको दिया गया विशेष वरदान और बुलाहट होता है (इफिसियों 4:11 हमें एक सुसमाचारkक के विभिन्न वरदान और बुलाहट की सूची प्रदान करता है) विद्यार्थियों को अपने स्कूल और पड़ोस में एक सुसमाचारkक के रूप में जाकर हर किसी को परमेश्वर के बारे में बताने का उत्तरदायित्व महसूस नहीं होना चाहिए जब तक कि उन्हें एक सुसमाचारक का वरदान नहीं दिया जाता। हालांकि, हम सभी को परमेश्वर के बारे में दूसरों को बताने की इच्छा मन में हमेशा रहनी चाहिए।

2 वे कौन से तरीके हैं जिनके द्वारा आपके दोस्त आपसे बातें करते हैं? परमेश्वर की ओर से एक ' ट्वीट' कैसे दिखेगा?
अपने दोस्तों से हम फेसबुक, चैट, ट्विटर, सेलफोन कॉल, आमने-सामने और अन्य कई तरीकों से संवाद करते हैं। आपके लिए परमेश्वर के संदेश क्या सार्वजनिकहै या निजी तौर पर देखे जाने के लिए है? परमेश्वर कुछ समय हमसे किसी स्थान पर जाने के लिए " जाओ" कहता हैया " रुको" कहता है और उसमें हमारी सहायता करता है। कई बार वह हमें केवल एक शब्द के द्वारा ही निर्देश देता है। हम उसकी आज्ञा तब भी मान सकते हैं जबकि हम अभी तक उसके द्वारा किए गए पूरे "ट्वीट" को समझ ही न पाए हो।

3 सपने कितने भरोसा करने लायक होते हैं? क्यों लोग भविष्य बताने वालों को पैसा देकर यह जानने की कोशिश करते हैं कि उनका भविष्य क्या होगा?
बच्चे हर सुबह अपने सपनों के बारे में बातें करना काफी पसंद करते हैं। अगर उन्हें कुछ समय बांटने के लिए दिया जाए, तो वे पाएंगे कि उनके सपने कोई मायने या मतलब नहीं रखते, और अक्सर असंभव ही होते हैं, यह कई बार आंशिक रूप से किसी टीवी शो या रात को सोने से पहले देखे गए किसी फिल्म से प्रेरित होते हैं।
हालांकि परमेश्वर ने कई बार स्वप्न को इस्तेमाल किया है, लेकिन फिर भी यह काफी दुर्लभ ही रहा है। कहीं बार परमेश्वर हमसे सपनों में बातें कर सकते हैं, लेकिन यह हमें भ्रमित कर सकते हैं। साथ ही, भविष्य बताने वालों पर भी विश्वास नहीं किया जा सकता। व्यवस्थाविवरण 18:10-12 में लिखा है, "क्योंकि जितने ऐसे ऐसे काम करते हैं वे सब यहोवा के संमुख घृणित हैं..." परमेश्वर अपने लोगों को भावी कहने वालों के पास ना जाने की चेतावनी देते हैं क्योंकि वह जानता है कि ऐसा करने पर वे अपने भविष्य के लिए परमेश्वर पर निर्भर नहीं रहेंगे, बल्कि वे अपने भविष्य के विषय में पहले से जानना चाहेंगे कि क्या होने वाला है। परमेश्वर चाहता है कि लोग पूरी तरह से परमेश्वर पर निर्भर रहें और उसी पर भरोसा रखें!